

विभिन्न संस्कृतियों के मास्क का सृजन पेपर मैसी में

लखनऊ। वास्तुकला एवं योजना संकाय, अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, टैगोर मार्ग स्थित संकाय में छात्रों ने मंगलवार को पेपर मैसी माध्यम में विभिन्न संस्कृतियों से जुड़े मास्क बनाकर अपनी अभिव्यक्ति की। छात्रों ने पेपर मैसी मास्क को बनाते हुए बड़े उत्साह पूर्वक इसे बहुत ही सरल और सुगम माध्यम बताया। लगभग 80 बच्चों ने कला विशेषज्ञ गिरीश पांडेय, भूपेंद्र अस्थाना, धीरज यादव एवं रत्नप्रिया कांत के निर्देशन में पेपर मैसी मास्क का निर्माण किया।

गिरीश पाण्डेय ने बताया कि पेपर मैसी का शाब्दिक अर्थ भीगे हुए कागज को मसल कर बनाई गई लुग्दी है। यह बहुत ही आसान प्रक्रिया है जिसे घरों में भी आसानी से तैयार किया जा सकता है। इसमें भिगाये गए रद्दी पेपर को मसलकर खड़िया पावडर मात्रानुसार मिलाया जाता है। साथ ही इसमें मेथी के पावडर कीटनाशक के रूप में प्रयोग किया जाता है। एवं प्राकृतिक गोंद या बाजार में उपलब्ध पानी में घुलने वाले



गोंद का प्रयोग करते हैं। इसमें नमनीयता और मजबूती को बढ़ाने के लिए और भी सामग्रियों का मिश्रण किया जा सकता है। यह सारे मिश्रण को तैयार कर इसे नर्म मिट्टी की तरह पेस्ट या लुग्दी बना लेते हैं। यह एक मिश्रित सामग्री है। इस लुग्दी का प्रयोग गीली मिट्टी की तरह प्रयोग कर विभिन्न आकारों का निर्माण करते हैं। आकर के अनुसार आवश्यक हो तो तार या

लकड़ी, रस्सी इत्यादि माध्यम से मूलभूत ढांचा बना कर उसके ऊपर इस लुग्दी का प्रयोग किया जाता है।

भूपेंद्र अस्थाना ने बताया कि यह माध्यम सूखने के बाद वजन में अत्यंत हल्का हो जाता है। उसके बाद इस पर विभिन्न रंगों का प्रयोग किया जा सकता है। इसे घरों के आंतरिक साज सज्जा के रूप में दीवारों पर भी लगाया जा सकता है। शिक्षक धीरज यादव और

रत्नप्रिया कांत ने बताया कि इस पेपर मैसी में अनेकों प्रयोग किये जाते रहे हैं। गांवों में डलिया, खिलौने और विभिन्न प्रदेशों में सांस्कृतिक मास्क का भी निर्माण किया जाता है।

इस संस्था के अध्यापक और छात्र विभिन्न माध्यमों में नित नए कलात्मक प्रयोग करते रहते हैं। इसी क्रम में उन्होंने भविष्य में किये जाने वाले कार्यों की जानकारी भी साझा की।

THE ART OF MESSY MASKS



CITY FIRST

Students of the Faculty of Architecture and Planning, Abdul Kalam Technical University (FOAKTU), expressed their expression by making masks related to different cultures on paper messy medium on Tuesday.

The workshop taught the techniques of making paper messy masks which the students described as a very simple and easy medium of expression. Around 80 children made paper messy masks under the direction of art experts Girish Pandey, Bhupendra Asthana, Dheeraj Yadav and Ratnapriya Kant.

Art teachers, Girish Pandey and Bhupendra Asthana talked about the paper mess and said, "the literal mean-

PHOTOS BY ASHOK DUTTA



ing of paper mess is the pulp made by mashing soaked paper. The waste paper is soaked, crushed and mixed according to the quantity of chalk powder glued

together with natural gum or water-soluble gum. After drying this medium becomes very light in weight. After that different colours can be used on it. It can also be applied to walls as an interior decoration of houses.

The teachers and students of the FOAKTU institution make strenuous efforts to bring out new artistic experiments in various mediums, the latest being paper messy mask making.

City First

www.firstindia.co.in | www.firstindia.co.in/papersolutions | twitter.com/firstindia | facebook.com/firstindia | firstindia.com/firstindia

STAY MASKED
GET VACCINATED
CITY BUZZ

LUCKNOW | WEDNESDAY, MAY 11, 2022

12